

# NBT

## नवभारत टाइम्स

Dated: 1<sup>st</sup> April 2018 (Sunday)

Page: 17

## अब मिलावटीरामों की खैर नहीं, देश भर में टेस्टिंग लैब्स बेहतर करेगी सरकार

■ प्रस, नई दिल्ली

कैग की फटकार के बाद सरकार ने फूड टेस्टिंग लैब्स के नेटवर्क को मजबूत बनाने और उन्हें एक प्लैटफॉर्म पर लाने का फैसला किया है। इसके साथ ही उसने मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब्स को पूरे देश में तैनात करने का निर्णय लिया है। कैग ने हाल में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) की कड़ी आलोचना करते हुए अपनी रिपोर्ट में कहा था कि यह देश के नागरिकों की फूड सेफ्टी के साथ खिलवाड़ कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया था कि अथॉरिटी की 72 में से 65 राज्य स्तरीय लैब्स के पास नैशनल



एक्रिटिडेशन बोर्ड फॉर लैबोरेटरी की मान्यता तक नहीं है। ऐसे में ये लैब्स खाद्य पदार्थों की जांच कैसे और किस स्तर पर करती होंगी, सोचा जा सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि एफएसएसएआई की ज्यादातर लैब्स में स्तरीय उपकरणों और तकनीकी स्टाफ की कमी है।

### बढ़ेगी फूड टेस्टिंग वैनों की संख्या

एफएसएसएआई देश में मोबाइल फूड टेस्टिंग वैन्स के नेटवर्क में भी बढ़ोतरी करने जा रही है। इस कोशिश का फायदा यह होगा कि मौके पर ही खाद्य पदार्थों की जांच की जा सकेगी और दोषी पाए जाने पर विक्रेता के खिलाफ कार्रवाई की जा सकेगी। शुरुआत गोवा, अरुणाचल प्रदेश, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, केरल, मणिपुर, मेघालय और नगालैंड में की गई है। जल्द ही इन्हें सभी राज्यों में तैनात किया जाएगा।